**अन्नपूर्णास्तोत्रम्**

**नित्यानन्दकरी वराभयकरी सौन्दर्यरत्नाकरी**

**निर्धूताखिलघोरपावनकरी प्रत्यक्षमाहेश्वरी ।**

**प्रालेयाचलवंशपावनकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 1॥**

**नानारत्नविचित्रभूषणकरी हेमाम्बराडम्बरी**

**मुक्ताहारविलम्बमान विलसत् वक्षोजकुम्भान्तरी ।**

**काश्मीरागरुवासिता रुचिकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 2॥**

**योगानन्दकरी रिपुक्षयकरी धर्मार्थनिष्ठाकरी**

**चन्द्रार्कानलभासमानलहरी त्रैलोक्यरक्षाकरी ।**

**सर्वैश्वर्यसमस्तवाञ्छितकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 3॥**

**कैलासाचलकन्दरालयकरी गौरी उमा शङ्करी**

**कौमारी निगमार्थगोचरकरी ओङ्कारबीजाक्षरी ।**

**मोक्षद्वारकपाटपाटनकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 4॥**

**दृश्यादृश्य विभूतिवाहनकरी ब्रह्माण्डभाण्डोदरी**

**लीलानाटकसूत्रभेदनकरी विज्ञानदीपाङ्कुरी ।**

**श्रीविश्वेशमनः(फ्) प्रसादनकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 5॥**

**उर्वी सर्वजनेश्वरी भगवती माताऽन्नपूर्णेश्वरी**

**वेणीनीलसमानकुन्तलधरी नित्यान्नदानेश्वरी ।**

**सर्वानन्दकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 6॥**

**आदिक्षान्तसमस्तवर्णनकरी शम्भोस्त्रिभावाकरी**

**काश्मीरा त्रिजलेश्वरी त्रिलहरी नित्याङ्कुरा शर्वरी ।**

**कामाकाङ्क्षकरी जनोदयकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 7॥**

**देवी सर्वविचित्ररत्नरचिता दाक्षायणी सुन्दरी**

**वामे स्वादुपयोधरा प्रियकरी सौभाग्य माहेश्वरी ।**

**भक्ताभीष्टकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 8॥**

**चन्द्रार्कानलकोटिकोटिसदृशा चन्द्रांशुबिम्बाधरी**

**चन्द्रार्काग्निसमानकुण्डलधरी चन्द्रार्कवर्णेश्वरी ।**

**मालापुस्तकपाशसाङ्कुशधरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां(न्) देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 9॥**

**क्षत्रत्राणकरी महाऽभयकरी माता कृपासागरी**

**साक्षान्मोक्षकरी सदा शिवकरी विश्वेश्वरी श्रीधरी ।**

**दक्षाक्रन्दकरी निरामयकरी काशीपुराधीश्वरी**

**भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ 10॥**

**अन्नपूर्णे सदापूर्णे शङ्करप्राणवल्लभे ।**

**ज्ञानवैराग्यसिद्ध्यर्थं(म्) भिक्षां देहि च पार्वति ॥ 11॥**

**माता मे पार्वती देवी पिता देवो महेश्वरः ।**

**बान्धवाः(श्) शिवभक्ताश्च स्वदेशो भुवनत्रयम् ॥ 12॥**

**सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।**

**शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तु ते ॥ 13॥**

**॥ इति श्रीशङ्करभगवतः कृतौ अन्नपूर्णास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥**